सुविधाओं को तरस रहे आदिवासी!

भीम आर्मी एवं आजाद समाज पार्टी ने सरकार से किये सवाल..कहां खर्च हो रही राशि

बालाघाट, देशबन्धु। बैगांचल में बच्चों की मौत के मामले को लेकर अब भमी आर्मी एकता मिशन एवं आजाद समाज पार्टी कांशीराम भी सराकर से तीखे सवाल कर रही है, 9 सितंबर को सर्किट हाऊस में बैठग हुई जहां पर आजाद पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सत्येन्द्र विद्रोही ने आरोप लगाया कि

30 बच्चों की मौत होने पर भी सरकार संवेदनशील नहीं है। आदिवासी अंचलों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। सरकार द्वारा पीड़ित परिवारों को दी गई 2-2 लाख की आर्थिक मदद को नाकाफी बताया और कहा कि पर्याप्त मुआवजा राशि मिलना चाहिये। पत्रकारों से चर्चा करते हुए सत्येन्द्र विद्रोही ने कहा कि 30 आदिवासी बच्चों की मौत हो गई, किसी को कोई परवाह नहीं है। बैगा आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आज भी स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीणों को झिरिया का दूषित पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। उनके अनुसार, इसी तरह की बदहाल व्यवस्थाओं के चलते संक्रमण फैलने से मासूम बच्चों की जान गई। विद्रोही ने आरोप लगाया कि आदिवासी क्षेत्रों के विकास और उत्थान के लिए शासन से करोड़ों रुपये की राशि आती है, लेकिन उसका उचित उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि वर्षों से इन क्षेत्रों में विकास के नाम पर राशि खर्च की जा रही है तो फिर आज भी ग्रामीण स्वच्छ पेयजल और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से क्यों वंचित हैं। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।

पूर्व सीएचएमओ को बर्खास्त करने की संगठनों ने रखी मांग

मुख्यमंत्री द्वारा मृत बच्चों के परिवारों को दो.दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा पर भी प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जिन बच्चों के परिवारों ने अपने मासूम बच्चों को खोया है, उनके लिए घोषित सहायता राशि भी अभी तक नहीं पहुंची है। विद्रोही ने कहा कि श्जो बच्चे देश और समाज के विकास में अपनी भूमिका निभा सकते थे, उनकी जिंदगी की कीमत महज दो लाख रुपये कैसे तय की जा सकती है उन्होंने पीड़ित परिवारों को पर्याप्त आर्थिक सहायता देने के साथ.साथ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाएं तत्काल उपलब्ध कराने की मांग की। बिरसा क्षेत्र में बच्चों की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए विद्रोही ने पूर्व सीएचएमओ डॉ. परेश उपलप के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले में जिम्मेदार अधिकारियों को केवल हटाना या स्थानांतरित करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

मंत्री कुंवर विजय शाह का बालाघाट दौरा आज

बालाघाट, देशबन्धु। जनजातीय कार्य, लोक परिसम्पत्ति प्रबंधन, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुर्नवास मंत्री

डॉ. कुंवर विजय शाह 10 सितम्बर को बालाघाट प्रवास पर रहेंगे। मंत्री डॉ. शाह 09 सितम्बर को सुबह 09 बजे भोपाल से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगे और रात 08 बजे बालाघाट पहुंच वे सर्किट हाउस पर रात्रि विश्राम करेंगे। 10 सितम्बर सुबह 11 बजे वे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे। मंत्री डॉ. शाह दोप. 3 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बालाघाट जिले के समस्त छात्रावास अधीक्षकों की समीक्षा बैठक करेंगे और शाम 6 बजे बालाघाट से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। आपको बताये कि बैगा बाहुल्य क्षेत्रों में फैली बीमारी के पश्चात उनका यह दूसरी बार बालाघाट दौरा है।

महकारी नदी में मिला मादा चीतल का शव

वनविभाग की टीम ने किया जांच-परीक्षण

बालाघाट, देशबन्धु। लामता क्षेत्र में महकारी नदी से एक मृत मादा चीतल का शव बरामद किया गया है। वन विभाग की टीम ने यह शव नदी से निकाला। उत्तर सामान्य वन मंडल के लामता वन परिक्षेत्र में महकारी नदी में मृत चीतल का शव मिलने की सूचना मिली थी। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पशु चिकित्सक से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को आग से जलाकर नष्ट कर दिया गया। वन परिक्षेत्र अधिकारी देवेंद्र रंगारे ने बताया कि ग्रामीणों ने रात में सूचना दी थी। उन्होंने बताया था कि एक चीतल महकारी नदी के तेज बहाव में बहकर नीचे चला गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग के कर्मचारियों को चीतल की

तलाश के लिए महकारी नदी भेजा गया। कर्मचारियों ने लामता स्टॉपडेम के पास झाड़ियों में मृत चीतल को देखा और उसका शव नदी से बाहर निकाला। पशु चिकित्सक डॉ. अरविंद नागेश्वर ने शव का पोस्टमार्टम किया। इसके बाद वन विभाग ने नियमों के अनुसार शव का अंतिम संस्कार किया। डॉण् नागेश्वर ने बताया कि चीतल की मौत करीब 3 से 4 दिन पहले हुई थी। आशंका है कि उसकी मौत पानी में डूबने से हुई होगी। मृत मादा चीतल की उम्र करीब 2 से ढाई साल बताई गई है। वहीं, ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने लामता स्टॉपडेम में दो मृत वन्य प्राणियों को देखा था। उनका कहना है कि पानी के तेज बहाव में एक वन्य प्राणी बह गयाए जबकि दूसरा झाड़ियों में फंसने के कारण स्टॉपडेम के पास ही रह गया। बाद में इसी मृत वन्य प्राणी का शव वन विभाग की टीम ने बरामद किया।

नवांकुर सखियों को दिया मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण

बालाघाट, देशबन्धु। आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव के मद्देनजर पर्यावरण संरक्षण को लेकर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा ग्राम पंचायत बेनेगांव के ब्राह्मण टोला में नवांकुर सखियों एवं मातृशक्ति को मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण नवांकुर संस्था यूनिवर्सल ज्ञानदीप शिक्षण संस्था एवं गुणवंता जनकल्याण संस्था द्वारा आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान मूर्तिकार भानू प्रजापति ने मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने की विधि समझाते हुए कहा कि गणेश प्रतिमा बनाना बहुत कठिन कार्य नहीं है। थोड़े अभ्यास से बच्चे भी आसानी से स्वयं प्रतिमा बना सकते हैं। इस अवसर पर संतोष नगपुरे ने बताया कि गणेश चतुर्थी पर अधिकांश मूर्तियां प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनाई जाती हैं, जिनमें हानिकारक रंगों का उपयोग होता है।

लाइफस्टाइल डे पर कैडेट्स को स्वस्थ जीवनशैली का दिया संदेश

बालाघाट, देशबन्धु। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय वारासिवनी में एनसीसी के तत्वावधान में 9 सितंबर को लाइफ स्टाइल डे मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को पोषक तत्वों की आवश्यकता एवं फ्टिनेस की उपयोगिता के संबंध में जागरूक करना था। 6 मध्य प्रदेश बटालियन एनसीसी बालाघाट के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता से प्राप्त निर्देश एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस गेड़ाम के मार्गदर्शन में एनसीसी अधिकारी मेजर डॉ. हेमंत कुमार मंडाले द्वारा कक्ष क्रमांक 02 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

नेशनल लोक अदालत प्रचार-प्रसार वाहन रवाना

बालाघाट, देशबन्धु। 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। समस्त तहसील न्यायालयों, श्रम न्यायालय एवं कुटुम्ब न्यायालय में आयोजित होगी। इसी को लेकर प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झण्डी देकर रवाना किया गया है। नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित आपराधिक, विद्युत, चेक डिसऑनर, दीवानी एवं शमनीय मामलों के साथ.साथ बैंक, श्रम, दूरसंचार, राजस्व, जलकर, संपत्तिकर आदि से संबंधित प्री-लिटिगेशन मामलों का भी निराकरण किया जाएगा।

आदिवासी अंचल में विकास के दावों को आइना दिखा रही खस्ताहाल सड़क

सालेटेकरी-सलघट-दमोह मार्ग हुआ अत्यंत जर्जर, हादसों का खतरा

बालाघाट, देशबन्धु। बिरसा तहसील आदिवासी बाहुल्य रिजर्व क्षेत्र है शासन का ध्येय यहां का विकास करना है इसके लिए पर्याप्त धनराशि इस क्षेत्र को प्रदान की जाती है यही कारण है कि यहां पंच से लेकर विधायक तक सब आदिवासी जनजाति से ही बनाए जाते हैं जिससे क्षेत्र का समुचित विकास हो सके वर्तमान में यहां के विधायक संजय उइके हैं जिनका यह लगातार तीसरा कार्यकाल है और इसे क्या कहा जाए की क्षेत्र की मूलभूत विकास भी नहीं हो पा रहा है बिरसा सालेटेकरी मुख्य मार्ग में सलघट से दमोह तक का मार्ग अत्यंत जर्जर और गड्ढो में तब्दील हो गया है। कीचड़ से सराबोर गड्ढो मे वाहन के पहिए तक नजर नहीं आते हैं जबकि इस मुख्य मार्ग से राज्य और अंतरराज्यीय बस और सैकड़ो वाहन इस सड़क पर दिन-रात चलते हैं गड्ढो की अधिकता के कारण वाहन चलते समय असंतुलित होकर पलट रहे हैं दुर्घटनाएं नित्य बढ़ रही हैं लेकिन इस तरफ किसी का का ध्यान नहीं है। लापरवाही देखना है तो इस सड़क पर देखें जैसा कि 1 साल पूर्व सड़क उधेड़ दी गई थी लेकिन कोई कार्य अभी तक नहीं हुआ वही दमोह के पास मुख्य मार्ग पर सीसी सड़क बनाई जा रही है वह भी लगभग 1 साल से बन रही है और वन साइड कुछ मीटर ही बन पाई

है जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है की सड़क बनाने की सीमा निश्चित नहीं की गई है इसलिए सड़क निर्माण में घोर लापरवाही बरती जा रही है और अपने समय के अनुसार कछुआ गति से निर्माण चल रहा है। स्थिति देखकर ऐसा लगता है की आने वाले विधानसभा चुनाव के पहले तक सड़क बन जाए गजब हो गया। आदिवासी अंचल में सुगम और व्यापक सुविधाओं के दावों इन दिनों खूब किये जा रहे है लेकिन हकीकत इससे कोसो दूर नजर आ रही है। जबकि शासन प्रशासन खूली आंखों से देखकर भी असुविधाओं को नजरअंदाज किये हुये है जबकि निर्माणकर्ताओं को खुली छूट दे दी गई है।

धान की फसल पर मंडराया कीट प्रकोप, नियंत्रण की सलाह

बालाघाट, देशबन्धु। जिले में धान की फसल पर सफेद माहू, तना छेदक, तना गलन एवं शीथ ब्लाइट जैसी कीट.व्याधियों का प्रकोप देखा जा रहा है। कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के मैदानी अमले ने किसानों को खेतों की नियमित निगरानी करने और प्रारंभिक अवस्था में ही नियंत्रण के उपाय अपनाने की सलाह दी है। कृषि महाविद्यालय मुरझड़ के वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के अमले द्वारा किए गए निरीक्षण में रोपाई के 25 से 30 दिन बाद धान के तनों पर सफेद माहू का प्रकोप पाया गया। इसके प्रभाव से पत्तियां सुनहरी.पीली पड़ रही हैं। विशेषज्ञों ने समय रहते उचित प्रबंधन अपनाने की अपील की है। रासायनिक कीटनाशकों के विकल्प के रूप में प्राकृतिक एवं जैविक तरीके से तैयार निमास्त्र, ब्रह्मास्त्र एवं दशपर्णी अर्क को प्राथमिकता देने की सलाह दी गई है। इनका उपयोग कीट प्रकोप के नियंत्रण में किया जा सकता है तथा ये मित्र कीटों और मिट्टी की उर्वरता के संरक्षण में भी सहायक हैं। किसानों की सुविधा के लिए कृषि विभाग एवं राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से जिले के विभिन्न बायो रिसोर्स सेंटरों पर ये जैविक कीटरोधी दवाएं उचित दरों पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। कटंगी, बालाघाट, किरनापुर, लालबर्रा, लांजी, बिरसा, बैहर, वारासिवनी, खैरलांजी एवं परसवाड़ा तहसील के चिन्हित ग्रामों में सीएलएफ स्व.सहायता समूहों एवं कृषि सखियों द्वारा संचालित बायो रिसोर्स सेंटरों से किसान इन्हें प्राप्त कर सकते हैं। कहा गया है कि फसल की सुरक्षा के लिए बायो रिसोर्स सेंटरों पर उपलब्ध जैविक कीटनाशकों को प्राथमिकता दें। इससे कम लागत में फसल को कीट प्रकोप से बचाने में मदद मिलेगी, छिड़काव के दौरान पर्याप्त जल स्तर एवं आवश्यक सुरक्षा नियमों का पालन करने की सलाह दी गई है।

नेशनल लोक अदालत 12 को

बालाघाट, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 12 सितंबर 2026 शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। लोक अदालत का शुभारंभ सादे समारोह में किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार शुभारंभ कार्यक्रम प्रात: 10.30 बजे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जिला न्यायालय परिसर, बालाघाट में आयोजित होगा। नेशनल लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न प्रकरणों के निराकरण के लिए संबंधित पक्षकारों को आपसी सहमति एवं समझौते के आधार पर मामलों के समाधान का अवसर मिलेगा। आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को दुरुस्त करने जुटा पीएचई अमला

बालाघाट, देशबन्धु। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में 9 सितंबर को विभागीय अमले द्वारा विभिन्न प्रभावित ग्रामों में पहुंचकर हैंडपंपों के आसपास ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, क्लोरीनेशन एवं हैंडपंपों के सुधार कार्य कराए गए। बहेराभाटा, माटे, धीरी, मोहरई, मछुरदा, बोरखेड़ा कचनारी, खोलवा, गुदमा सहित अन्य प्रभावित ग्रामों में पेयजल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं सुरक्षा को लेकर आवश्यक कार्यवाही की गई। इस दौरान हैंडपंपों के आसपास ब्लीचिंग का छिड़काव, क्लोरीनेशन किया गया तथा खराब एवं आवश्यकता वाले हैंडपंपों का सुधार कार्य कराया गया।

संभागायुक्त ने लगाई रात्रि चौपाल बैगा जनजातीय परिवारों से किया संवाद

बालाघाट, देशबन्धु। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने बालाघाट जिले अंतर्गत बैहर विकासखंड के बैगा जनजातीय बाहुल्य ग्राम पाथरी में रात्रि चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, वनाधिकार पट्टा, आहार

अनुदान, पेयजल, रोजगार एवं आजीविका सहित शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की मैदानी स्थिति की समीक्षा की। संभागायुक्त सिंह ने कहा कि बैगा जनजाति को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर मिले और दूरस्थ क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। रात्रि चौपाल में संभागायुक्त द्वारा स्वास्थ्य एवं पोषण क्षेत्र की योजनाओं की विभागीय अधिकारियों से विस्तृत समीक्षा करते हुए उपस्थित ग्रामीण जनों से वस्तुस्थिति का जायजा लिया। मौसमी एवं वर्षाजनित संक्रामक रोगों की रोकथाम एवं उपचार, दस्तक.सह.स्टॉप डायरिया अभियान, टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की गई।

औल्याकंन्हार में हुई गणेशोत्सव को लेकर बैठक

सांस्कृतिक, धार्मिक एवं रचनात्मक आयोजन की बनाई रूपरेखा

लालबर्रा, देशबन्धु। ग्राम औल्याकंन्हार के गांधी चौक सभा मंच पर भगवान श्रीगणेश की स्थापना को लेकर ग्रामीणों की अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी गणेश उत्सव को लेकर विभिन्न विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई। जानकारी देते हुए सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि ग्राम औल्याकंन्हार में विगत अनेक वर्षों से ग्रामीणों के सहयोग से भगवान श्री गणेश जी की स्थापना करते हुए आ रहे है इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी ग्रामीणों के सहयोग से गणेश उत्सव का आयोजन किया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 14 सितंबर 2026 दिन सोमवार को भगवान श्री गणेश जी की विधि.विधान से स्थापना की जाएगी। दस दिवसीय गणेश उत्सव को सफल बनाने के लिए प्रतिदिन धार्मिक,सांस्कृतिक एवं बच्चों के मनोरंजन से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आगे बताया कि मां शारदा महिला मंडल की महिला कलाकारों द्वारा भी विशेष सहयोग प्रदान किया जाता रहा है। इस वर्ष भी महिला कलाकारों द्वारा भगवान श्री गणेश जी पर

आधारित धार्मिक भजनों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। इसके साथ ही सुबह एवं शाम भगवान श्री गणेश जी की विशेष आरती का आयोजन किया जाएगा। गणेश उत्सव के समापन अवसर पर 25 सितंबर 2026दिन शुक्रवार को भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा का विधि.विधान से विसर्जन कर भावपूर्ण विदाई दी जाएगी। बैठक के दौरान ओपी बिसेन सरपंच प्रतिनिधि, जयराज भारद्वाज, प्रमोद चौहान, छन्नूलाल कटरे अध्यक्ष नव गणेश उत्सव समिति, नंदकिशोर बिसेन पंचायत सचिव, दीपक यादव अध्यक्ष ग्राम यादव समाज, राजकुमार यादव, मनोज नागेश्वर, महेश नागेश्वर, सोहन लाल कटरे, रविशंकर यादव, तपेश रंगारें, उमा प्रसाद नागेश्वर व श्री मन्टें सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही है।

आबकारी विभाग की कार्रवाई 35 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त

बालाघाट, देशबन्धु। कलेक्टर कुमार सत्यम के निर्देशानुसार एवं जिला आबकारी अधिकारी अजीत एक्का के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध कार्रवाई की गई। 8 सितंबर 2026 को आबकारी वृत्त बैहर पश्चिम एवं बैहर पूर्व के विभिन्न ग्रामों में कार्रवाई करते हुए लगभग 140 किलो लाहन एवं 35 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जब्त की गई। आबकारी विभाग की टीम ने वृत्त बैहर पश्चिम के ग्राम मजगांव, खैरलांजी, झांगुल तथा बैहर पूर्व के कटंगी एवं पोंगार में अलग.अलग स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान प्लास्टिक डिब्बों में रखा लाहन एवं हाथ भट्टी मदिरा बरामद किया गया। मामले में मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा के तहत 6 प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए गए। जब्त सामग्री से नमूने लिए गए तथा शेष लाहन को मौके पर ही नष्ट किया गया। जब्त सामग्री की अनुमानित बाजार कीमत 19 हजार 250 रुपये बताई गई है। कार्रवाई में वृत्त प्रभारी माया मरावी, मुख्य आरक्षक नीरज खड़िया, अंजलि पंद्राम एवं आयुषी साहू उपस्थित रहे।

फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन हुए चार मैच

बालाघाट, देशबन्धु। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का आयोजन 8 सितंबर से 13 सितम्बर तक स्थानीय रेंजर कॉलेज मैदान में किया गया। टूर्नामेंट के दूसरे 9 सितम्बर को चार मैच खेला गया। इसमें जूनियर पुलिस बॉयज, डायमंड रॉक, मॉयल इलेवन भरवेली एवं रोशन फुटबॉल क्लब चिखलाझोड़ी विजयी हुई। मैच में अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, नपा सभापति कमलेश पांचे, वकील वाधवा, उज्जवल आमाडारे, खगेश कावरे उपस्थित रहे। इस संबंध में

आयोजन समिति के पदाधिकारी गणेश अग्रवाल ने बताया कि पहला मैच बॉयज फुटबॉल क्लब उकवा व जूनियर पुलिस बॉयज बालाघाट के बीच खेला गया। इसमें बालाघाट 1.0 गोल से विजयी हुई। दूसरा मैच डायमंड रॉक फुटबॉल क्लब व आरके फुटबॉल क्लब गुदमा के बीच खेला गया। इसमें डयमंड रॉक 1-0 गोल से विजयी हुई। तीसरा मैच मॉयल इलेवन भरवेली व न्यू बॉयज भरवेली के बीच हुआ। इसमें मॉयल इलेवन 1 गोल से जीती। वहीं चौथा मैच नवोदय विद्यालय वारासिवनी बनाम रोशन फुटबॉल क्लब चिखलाझोड़ी के बीच खेला गया। इसमें चिखलाझोड़ी के खिलाडियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 3-0 गोल से जीत दर्ज की। मैच के दौरान अतिथि के रूप में नवोदय विद्यालय के प्राचार्य संदीप कुमार जैन, खेल शिक्षक अयाज अंसारी, राजेश सेवईवार उपस्थित रहे। मैच में निर्णायक के रूप में मुकेश तिलासी, रूपनाथ गढ़पाले, एंजलसिंह ठाकुर, शुभम, आलोक, नयन उइके रहे।

कान्हा नेशनल पार्क में होगा हाथियों के लिये विशेष प्रयोजन

14 से 2 सितंबर तक हाथियों का पुनर्योवन कैंप, नियमित कार्य से होगा अलग वातावरण

बालाघाट, देशबन्धु। कान्हा टाइगर रिजर्व में विभागीय हाथियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के साथ ही वन एवं वन्यजीव संरक्षण एवं अनुश्रवण के कार्यों में वर्षभर नियमित सहयोग देने वाले हाथियों के प्रति आभार व्यक्त करने के उद्देश्य से 14 से 20 सितंबर 2026 तक परिक्षेत्र सुपखार में हाथियों के पुनर्योवन रिजुविनेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। कान्हा राष्ट्रीय उद्यान में वर्तमान में 16 विभागीय हाथी हैं, जिनमें 9 नर, 6 मादा एवं एक नवजात हाथी बच्चा शामिल है। पुनर्यौवन कैंप के दौरान हाथियों को नियमित कार्य से अलग वातावरण में पर्याप्त आराम, बेहतर आहार, स्वास्थ्य परीक्षण एवं आपसी

सामाजिक व्यवहार के लिए अनुकूल अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। सभी हाथियों को एक साथ रहने, खाने और विभिन्न गतिविधियों में शामिल होने का अवसर मिलेगा, जो उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होगा। कैंप में हाथियों को विशेष आहार देने के साथ वन्यजीव चिकित्सक द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। हाथियों की मालिश एवं सेवा के साथ उनके रक्त, फीकल एवं मूत्र के नमूने लेकर आवश्यक परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे जाएंगे। साथ ही सभी हाथियों का शारीरिक माप निर्धारित प्रपत्र में दर्ज किया जाएगा। दैनिक गतिविधियों के तहत हाथियों को प्रात: जंगल से लाकर नहलाया जाएगा तथा उनके शरीर एवं पैरों की मालिश की जाएगी। दोपहर में महावत एवं चाराकटरों के साथ परिचय एवं खेल गतिविधियां कराई जाएंगी। शाम को भोजन कराने के बाद हाथियों को पुन: जंगल में छोड़ा जाएगा। कैंप के दौरान हाथियों के साथ कार्य करने वाले महावत एवं चाराकटरों के प्रशिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।